Hindi (100 Marks)
Practice Paper - I

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 100**

सूचनाएँ : (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ?
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग - 1 : गद्य (24 अंक)

प्र. 1 (अ) पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **8 अंक**

तिवारी जी : इस घटना के बाद आप राजनीति की ओर क्यों नहीं गए ?

नागर जी : नहीं गया क्योंकि पिताजी सरकारी कर्मचारी थे । १९२९ के बाद मेरी रूचि बढ़ी - पढ़ने में भी और सामाजिक कार्यों में भी । लेकिन मेरी पहली कहानी छपी १९३३ में 'अपशकुन' । तुम्हारे गोरखपूर के मन्नन द्विवेदी लिख रहे थे उन दिनों । चंडिप्रसाद हृदयेश थे जिनकी लेखन शैली ने मुझे बहुत प्रभावित किया ।

तिवारी जी : क्या उन दिनों आप पर गांधीजी के व्यक्तित्व का भी कुछ प्रभाव पड़ा ?

नागर जी : हाँ, निश्चित रूप से पड़ा । पिताजी ने आंदोलनों में भाग लेने से रोका । वह रोकना ही मेरे लेखन के लिए अच्छा हुआ ।

तिवारी जी : आप के लेखन में गरीबों के प्रति जो करूणा है वह किससे प्रभावित है ?

नागर जी : वह तो अपने समाज से ही उभरी थी । मेरी पहली कहानी 'प्रायश्चित' इसका प्रमाण है । हमारे पारिवारिक संस्कार भी थे । मेरे पिताजी में एक अद्‌भूत गुण था । वे किसी के दुख-दर्द में तुरंत पहुँचते थे । इसने मुझे बहुत प्रभावित किया ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- **2**

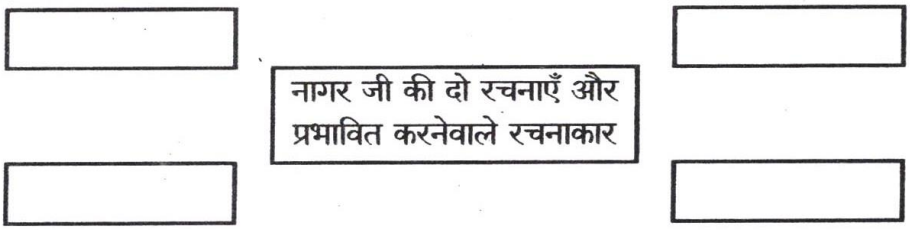

(2) उत्तर लिखिए :-

(i) नागर जी की पहली कविता **1**

(ii) नागर जी के पिताजी का अद्‌भूत गुण **1**

(3) (i) तद्धित शब्दों का मूल शब्द :- 1

(I) साहित्यिक ———— (II) विलायती ————

(ii) कृदन्त शब्दों का मूल शब्द :- 1

(I) खिंचाव ———— (II) लिखावट ————

उत्तरे : (i) (I) साहित्य (II) विलायत । ; (ii) (I) खींचना (II) लिखना ।

(4) 'वाचन व्यक्ति विकास का सोपान है' - अपने विचार लिखिए । 2

प्र. 1 (आ) पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **8 अंक**

गुलामों की प्रथा संसार भर में हजारों वर्षों तक चलती रही । उस लंबे अरसे में विद्वान तत्ववेत्ता और साधु-संतों के रहते हुए भी वह चलती रही । गुलाम लोग खुद भी मानते थे कि वह प्रथा उनके हित में हैं । फिर मनुष्य का विवेक जागृत हुआ । अपने जैसे ही हाड़-माँस और दुख की भावना रखनेवालों को एक दूसरा बलवान मनुष्य गुलामी में जकड़ रखे, क्या यह बात न्यायोचित है, यह प्रश्न सामने आया । इसको हल करने के लिए आपस में युद्ध भी हुए । अंत में गुलामी की प्रथा मिटकर रही । इसी प्रकार राजाओं की संस्था की बात है । जगभर में हजारों वर्षों तक व्यक्तियों का, बादशाहों का राज्य चला पर अंत में क्या किसी एक व्यक्ति की हजारों आदमियों को अपनी हुकूमत में रखने का अधिकार है, यह प्रश्न खड़ा हुआ । उसे हल करने के लिए अनेक घनघोर युद्ध हुए ओर सदियों तक कहीं - झगड़ा चलता रहा । असंख्य लोगों को यातनाएँ सहन करनी पड़ीं । अंत में राजप्रथा मिटकर रही और राजसत्ता प्रजा के हाथ में आई । हजारों वर्षों तक चलती हुई मान्यताएँ छोड़ देनी पड़ी । ऐसी ही कुछ बातें संपत्ति के स्वामित्व के बारे में भी हैं ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- 2

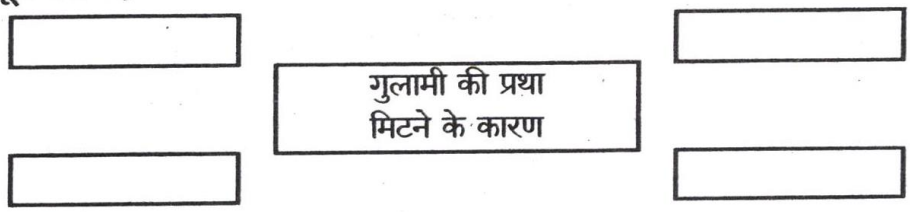

(2) तुलना कीजिए :- 2

	राजसत्ता	लोकसत्ता
1.	_____	_____
2.	_____	_____

(3) (1) उत्तर लिखिए :- 1

(i) समाप्त हुई दो प्रथाएँ . . . . . (ii) संपत्ति के दो मुख्य साधन . . . . . .

(2) उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर लिखिए :- 1

(I) उपसर्ग : (i) कु (ii) चिर **(II) प्रत्यय :** (i) थक (ii) दुख

उत्तरे : (2) (I) (i) कुकर्म (ii) चिरंजीव । ; (II) (i) थक + आन = थकान (ii) दुख + ई = दुखी ।

(4) 'समाज परोपकार वृत्ति' के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है, इस कथन से संबंधित अपने विचार लिखिए । 2

प्र. 1 (इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **8 अंक**

प्रकृति के क्रियाकलापों के चक्र अविचल गति से निरंतर घुम रहे हैं । समुद्र जल से आप उससे मेघ, फिर वर्षा, नदियों की बाढ़ें, नदियों का समुद्र से मिलना, फिर भाप, पौधे से विशाल वृक्ष, वृक्ष से फूल, फूल से फल, फल से बीज, बीज से पौधे, फिर वृक्ष - इस तरह प्रकृति में एक चक्र गतिमान है । 'दिन के बाद रात और रात के बाद सवेरा' प्रकृति का अखंड नियम है । इसी प्रकार दुःख के बाद सुख और सुख के बाद दुःख मनुष्य जीवन में अद्‌भूत एक चक्र है । मनुष्य मन दुःख से उदास एवं निष्क्रिय हो जाता है, जीवन भार हो जाता है और दुःख की चरमसीमा होने पर आत्महत्या पर तुल जाता है । लेकिन सृष्टि के नियमानुसार दुःखदावस्था कोई निरंतर की स्थिति नहीं है । यह दुःखदावस्था का अंधेरा रातभर ही यानी कि कुछ समय के लिए ही आया हुआ मेहमान है । क्या मेहमान कभी हमेशा के लिए किसी के घर में बसा है ? यदि वह हमेशा के लिए बसेगा तो मेहमान ही नहीं होगा । अतः यह दुःखरूपी अंधेरा सबेरा होते ही नष्ट होनेवाला है, इस तथ्य को समझकर मनुष्य को दुःख के कारण कभी उदास एवं निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि उसके पश्चात प्रकृति नियमानुसार सुखदावस्था निर्माण होनेवाली ही है । सृष्टि या प्रकृति हमें निरंतर नसीहत देती है, किंतु हम ही ऐसे होते हैं कि उससे कई शिक्षाप्रद सिद्‌धांत ग्रहण नहीं करते एवं उन्हे कृति में नही उतारते । रात-दिन, दुःख-सुख, लय निर्माण प्रकृति के सिद्‌धांत चक्र हैं और तद्‌नुसार हमें भी अपने मन को शिक्षित करना चाहिए ।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :- **2**

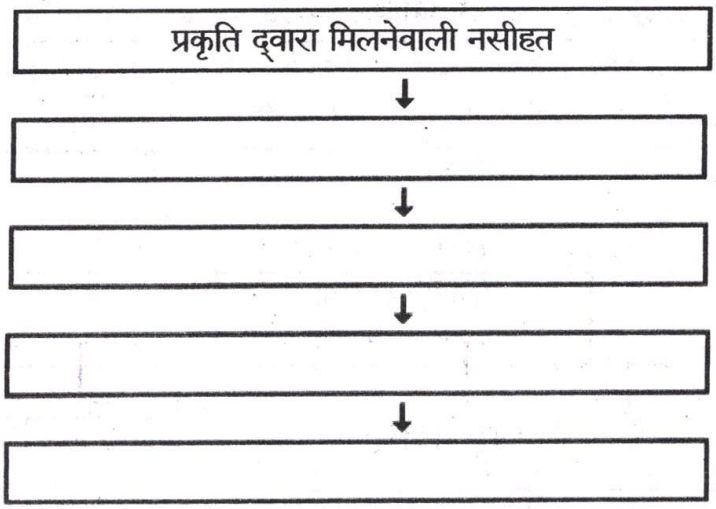

(2) उत्तर लिखिए :- **2**

(i) प्रकृति का अखंड नियम . . . . . .

(ii) प्रकृति का शिक्षाप्रद सिद्‌धांत . . . . . .

(3) (i) कृति पूर्ण कीजिए :- **1**

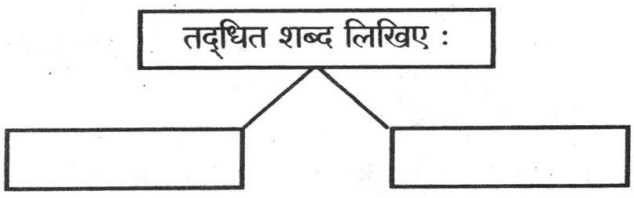

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त किसी एक विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए :- **1**

(4) 'रातभर का है मेहमाँ अंधेरा, किसके रोके रुका है सबेरा' पंक्ति पर अपने विचार लिखिए । **2**

विभाग - 2 : पद्य (18 अंक)

प्र. 2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **6 अंक**

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आसमानो पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- **2**

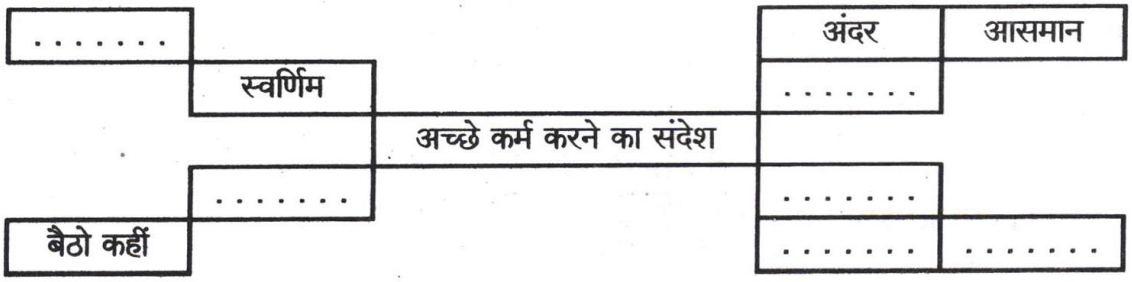

(2) कृति पूर्ण कीजिए :- **2**

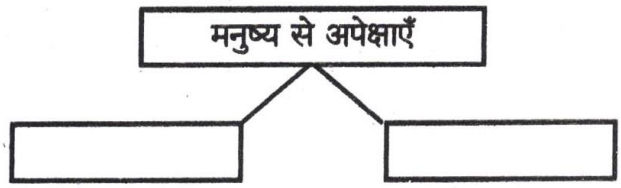

(3) निम्नलिखित पंक्तियों से प्राप्त जीवनमूल्य लिखिए । **2**

(i) जिंदगी की शक्ल . . . . . .
. . . . . आईना बनकर दिखो ।

(ii) सिर्फ देखने के लिए . . . . . .
. . . . . आदमी बनकर दिखो ।

प्र. 2 (आ) निम्नलिखित कविताओं में से किसी एक का विश्लेषण निम्न मुद्दों के आधार पर कीजिए : -

6 अंक

(1) कृषक का गान अथवा (2) गिरिधर नागर

मुद्दे : (1) रचनाकार का नाम **1**
(2) रचना की विधा **1**
(3) पसंद की पंक्तियाँ **1**
(4) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण **1**
(5) रचना से प्राप्त संदेश **2**

प्र. 2 (इ) अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **6 अंक**

पूछ लूँ मै नाम तेरा ।
मिलन रजनी हो चुकी, विच्छेद का अब है सवेरा ।
जा रहा हूँ और कितनी देर अब विश्राम होगा,
तू सदस्य है, किंतु तुझको और भी तो काम होगा ।
प्यार का साथी बना था, विघ्न बनने तक रूकूँ क्यों ?
समझ ले, स्वीकार कर ले यह कृतज्ञ प्रणाम मेरा ।
पूछ लूँ मैं नाम तेरा ।। १ ।।

(1) कृति पूर्ण कीजिए :- 2

प्रेम के संबंध में नए दृष्टिकोण की विशेषताएँ

(1) . . . .
(2) . . . .
(3) . . . .
(4) . . . .

(2) सही विकल्प लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए :- 1

(i) तू सदस्य है, किंतु तुझको और भी तो नाम/दाम/काम होगा ।
समझ ले, स्वीकार करले यह कृतज्ञ सलाम/प्रणाम/अनाम मेरा ।

(ii) **शब्दों का अर्थ लिखिए :** 1

कुल ____________ कूल ____________

उत्तरे : (ii) कुल - वंश, कूल - किनारा ।

(3) अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । 2

विभाग - 3 : पूरक पठन (8 अंक)

प्र. 3 (अ) पठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **4 अंक**

जिस गली में आजकल रहता हूँ - वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता । उस गली में पेड़ भी नहीं है, न ही पेड़ लगाने की गुंजाईश ही है । मकान ही मकान हैं । इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान सदे हैं । लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है । जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर नहीं' सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है । चिड़ियाँ दिखती है, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़ती हुई नहीं । बिजली या टेलिफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं । उन्हें देखकर लगता, मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हों या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों ।

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलिफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जुझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ ।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :- **2**

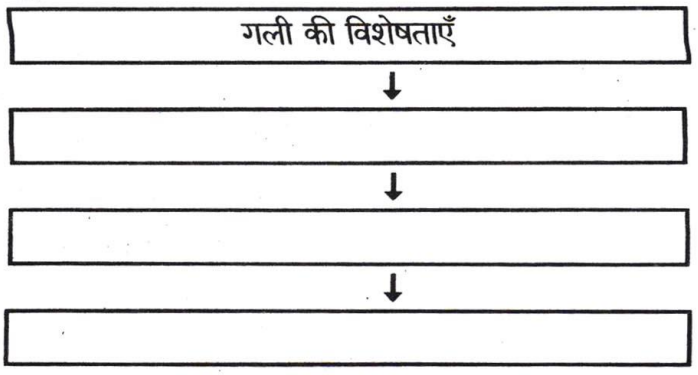

(2) कृति पूर्ण कीजिए । **2**

(i) गली से यह नहीं दिखता

(ii) लेखक ऐसी जिंदगी बिताना नहीं चाहता

प्र. 3 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : - **4 अंक**

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए ।
जिस मिट्टी में लक्ष्मी बाईजी जन्मी थी झाँसी की रानी ।
रजिया सुलताना, दुर्वीती, जो खूब लड़ी थी मर्दानी ।
जन्मी थी बबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला ।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला ।
गर डींग जनाब उड़ायेंगे, तो मजबूरन ताने-सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए
हम उस धरती की लड़की हैं . . .
यों आप खफा क्यों होती है, टंटा काहे का आपस में ।
हम से तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- **2**

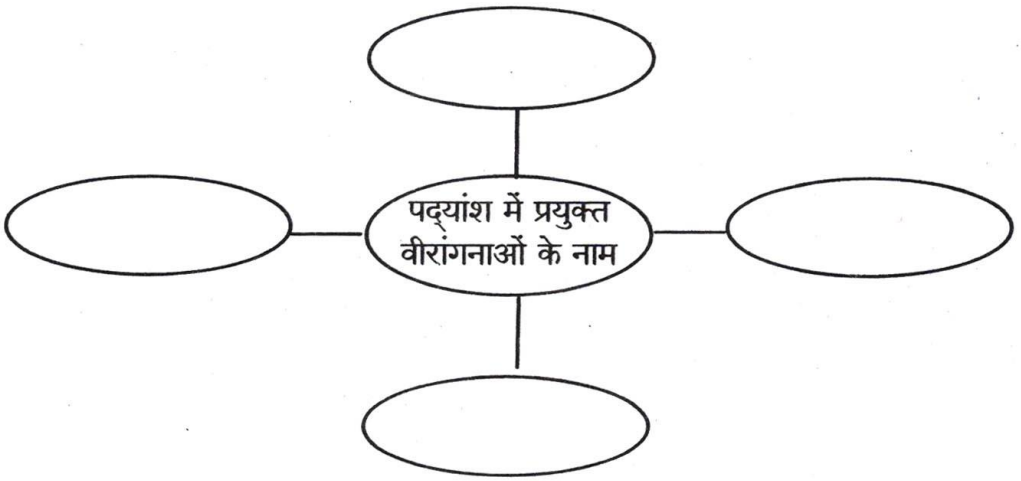

(2) विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :- **2**

(i) खूब लड़नेवाली मर्दानी . . . . . (ii) सीता सावित्री की धरती . . . . . .

विभाग - 4 : भाषा अध्ययन (व्याकरण) (18 अंक)

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : -

(1) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **1**

डींग मारना ।

(ii) अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **1**

(शेखी बघारना, अपने मुँह मिया मिट्ठू)

बातों का आप को शऊर नहीं तो स्वयं अपनी प्रशंसा क्यों करते हो ?

उत्तरे : (i) अपनी बड़ाई (प्रशंसा) आप करना ।

अशोक में काबिलियत तो नहीं फिर भी मैं क्रिकेट में कक्षा दसवीं के छात्रों की छुट्टी कर दूँगा ऐसी डींगे हाकता रहता है ।

(ii) बातों का आप को शऊर नहीं तो शेखी क्यों बघारते हो मिया ?

(2) (i) अधोरेखित शब्द का भेद लिखिए :- **1**

उसकी सुन्दरता देखकर हम चकित रह गए ।

(ii) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए :- **1**

थोड़ा

उत्तरे : (i) भाववाचक संज्ञा (ii) मुझे थोड़ा पानी दीजिए ।

(3) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढकर उसका भेद लिखिए :- **1**

उन्होंने भोजन शुरूही किया था कि बच्चा रो पड़ा ।

उत्तरे : कि - समुच्चयबोधक अव्यय ।

(4) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :- **2**

(I) बच्ची रोती होगी । (अपूर्ण भूतकाल)

(II) वह नागपूर गया है । (पूर्ण भविष्यकाल)

उत्तरे : (i) बच्ची रो रही थी । (ii) वह नागपूर जा रहा होगा ।

(5) तालिका पूर्ण कीजिए :- **2**

संधि	संधि विच्छेद	भेद
रामावतार	..... + ...	-
-	दुः + उपयोग	-

उत्तरे : (i) राम + अवतार (ii) दुरुपयोग ।

(6) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **1**

(i) लड़की ने बहुत हठ किया इसलिए माता ने उसको पीटा ।

(ii) धन आने पर मान भी मिलता है ।

उत्तरे : (i) मिश्र वाक्य (ii) साधारण वाक्य ।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- 2

(i) आप बड़े अच्छे शिक्षक है । (ii) मेरी साड़ी तुमसे अच्छी है ।

उत्तरे : (i) आप बहुत अच्छे शिक्षक है । (ii) मेरी साड़ी तुम्हारी साड़ी से अच्छी है ।

(8) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए :- 1

(i) हम जा रहे हैं । (ii) तुम थके हुए हो ।

उत्तरे : (i) जाना - मुख्य क्रिया ; रहना - सहायक क्रिया ।

(ii) थकना - मुख्य क्रिया ; होना - सहायक क्रिया ।

(9) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :- 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
गिरना	_____	_____

उत्तर : प्रथम - गिराना, द्वितीय - गिरवाना ।

(10) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- 1

प्रसाद ने अनेक नाटक लिखे स्कंधगुप्त चंद्रगुप्त एक घूँट ।

उत्तर : प्रसाद ने अनेक नाटक लिखे स्कंधगुप्त, चंद्रगुप्त, एक घूँट ।

(11) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- 1

घर के आगे बगीचा है ।

उत्तर : के आगे - संबंधकारक

(12) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :- 2

मनुष्य, अपना, जीतना, बड़ा

उत्तर : मनुष्यता, अपनत्व, जीत, बड़प्पन ।

विभाग - 5 : उपयोजित लेखन (32 अंक)

प्र. 5 (अ) (1) पत्र लेखन : -

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र लेखन कीजिए :- 5

21, लोकमान्य नगर, पुणे 30 से पराग शाह अपने फलटण निवासी छोटे भाई सौरभ को पत्र लिखकर वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में उसे हार्दिक बधाई संदेश भेजता है ।

सौरभ का पता - 'राजस', लक्ष्मीनगर, फलटण (सातारा) है ।

अथवा

संपादक, 'जागृति', अहमदनगर ⟷ नगर की दुर्दशा की ओर संकेत करते हुए पत्र

↓

अहमदनगर की गली के एक निवासी के नाते पत्र लिखिए ।

(2) **गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति :-**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हों । **5**

धरती माता की कोख में जो अमूल्य विधियाँ भरी हैं, जिनके कारण यह वसुंधरा कहलाती है, उनसे कौन परिचित न होना चाहेगा ? लाखों करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है । दिनरात बहनेवाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीसकर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है । हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सब की जाँच-पड़ताल अत्यंत आवश्यक है । पृथ्वी की गोद में जन्म लेनेवाले बड़े पत्थर कुशल शिल्पियों से सँवारे जाने पर अत्यंत सौंदर्य का प्रतीक बन जाते हैं । नाना भाँति के अनगढ़ नग विंध्य की नदियों के प्रवाह में सूर्य की धूप से चिलकते रहते हैं, उन चट्टानों को जब चतुर कारीगर पहलूदार कटाव पर लाते हैं, वे अनमोल हो जाते हैं । पृथ्वी और आकाश के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों और फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए । राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सब के प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोए हुए के समान हैं ।

प्र. 5 (आ) (1) वृत्तांत लेखन : - **5**

समता विद्यालय, कल्याण में मनाए गए 'हिंदी दिवस' समारोह का लगभग 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए ।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का होना अनिवार्य है ।)

(2) **विज्ञापन लेखन : -** **5**

'भगिरथ विद्यालय', जलगाँव में आयोजित अंग्रेजी भाषा संभाषण वर्ग के संबंधी लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

विदेशी भाषा संभाषण वर्ग

स्थान	समय	तज्ञ मार्गदर्शक	संपर्क

(3) **कहानी लेखन : -** **5**

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए :-

घना जंगल, एक साँप, राहगिरों को काटना, साँप साधु की संगति में, उपदेश, काटो मत - परिणाम, साधु का दुबारा उपदेश ।

प्र. 5 (इ) निबंध लेखन : - **7**

निम्नलिखित विषयों में किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) यदि इंटरनेट (अंतरजाल) न होता . . . . . ।

(2) मेरी प्रिय पुस्तक ।

■■■